Maa Rewati College of Education Mandla (M.P)

2.4.1 Institution provides opportunities for developing competencies and skills in different functional areas through specially designed activities / experiences that include

Competencies/skills provided in different functional areas through specially designed activities/experiences include	Nature of activities conducted	Duration with dates	Nature of teacher involvement	Nature of student participation
1. Organizing Learning (lesson plan)	1 (pc-1 & Pc-2) Subject lesson plan	45 Mint 2-09-2018 / 1-1-2019	Bharti Dixit	All Student
	2. Speech	45 Mint 5-09-2019 / 6-1-2020	Diskha kachhwaha	1. Observation
	3. Model	45 Mint 3-09-2021 / 10-1-2020		2. Feedback
	4. Poster	45 Mint 5-09-2022 / 3-1-2023		3. Discussion
	5. Classroom teaching			4. Preparing lesson plans
2. Developing Teaching Competencies	1. Micro-teaching	35 Mint 10-09-2018 / 5-12-2019	Kavita Bhavsar	All Student
	2. Classroom teaching	35 Mint 2-09-2019 / 1-12-2020	Manisha Soni	1. Classroom Group teaching,
	3. Speech	35 Mint 2-09-2021 / 1-12-2020		2. Observation, Feedback
		35 Mint 2-09-2022 / 1-12-2023		3. Discussion
3. Assessmet of Learning	1. Test	45 Mint 10-09-2018/ 5-08-2024	Diskha kachhwaha	All Student
	2. Oral Test	45 Mint 10-09-2018/ 5-08-2024	Kavita Bhavsar	Preparation of Unit test
	3. Summative Assessment: as per university Guidelines	46 Mint 10-09-2018/ 5-08-2024		
	4. Internal Assesment examinations	45 Mint 10-09-2018/ 5-08-2024		
4. Technology use and Integration	1. Model	45 Mint 2019-2023	Diskha kachhwaha	All Student
	2. PPT Ptesentation	45 Mint 2018-2023	Kavita Bhavsar	1. Classroom Group teaching,

	3. Online tests	45 Mint 2018-2023	Bharti Dixit	2. Observation, Feedback
	4. Online Theory Lectures	45 Mint 2018-2023	Manisha Soni	3. Discussion
	5. Online Lesson Plan	45 Mint 2018-2023		
	6. Online tests	45 Mint 2018-2023		
5. Organizing Field visits	Visit to the Schools and Innovative Teaching Learning Centers, Educational trtip	One Day 2019-2023	Diskha kachhwaha	All Student
		One Day 2018-2023	Kavita Bhavsar	2. Observation, Feedback
				3. Discussion
				1. Classroom Group teaching,
6. Conducting Outreach/ Out of classroom Activities	Different Rallies and awareness programs	One Day 2019-2023	Bharti Dixit	1. Classroom Group teaching,
7. Community Engagement	1. Blood Donation Camp	One Day 07/Nov/2019	Manisha Soni	All Student
	2. Tree plantation	One Day 12/06/2019	Bharti Dixit	2. Observation, Feedback
			Diskha kachhwaha	3. Discussion
			Kavita Bhavsar	1. Classroom Group teaching,
8. Facilitating Inclusive Education	1. workshop			
		One Day 12/06/2020	Bharti Dixit	All Student
				2. Observation, Feedback
9. Preparing Individualized Edcuation Plan (IEP)	1. Field Assignment	One Day 12/06/2020	Kavita Bhavsar	All Student

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

Run by:*Maa Rewati Educational and Welfare Society*
MAA REWATI COLLEGE OF EDUCATION
(Recognised by:N.C.T.E. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur)
Jantipur Road, Badi Khairi, Mandla (M.P.)-481661
Phone: 0764-2291912,Website: www.mrcedu.com
Email: mrcedu1@gmail.com

Metric 2.4.1

Institution provides opportunities for developing competencies and skills in different functional areas through specially designed activities

Report of the activities organised in college

Maa Rewati College provides opportunities for developing competencies and skills in different functional areas through specially designed activities/ experiences that include.

Organizing learning (lesson plan)

Understanding the importance of different competences and skills in the field of education, institution organizes the different activities to develop the same among the students in order to inculcate the skill of organizing learning, students are asked to prepare lesson plans during their internship program me,

This includes preparing and delivering of 40 macro lesson plans-

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

पाठयोजना - 09

दिनांक - 01/11/21 कक्षा - 10वीं
विषय - सामाजिक अध्ययन [इतिहास] कालखण्ड - "ब"
विद्यालय - ओम मॉडल स्कूल करया (मण्डला) समयावधि - 45 मिनट

प्रकरण :-> "स्वतन्त्रता आन्दोलन व संबंधित घटनाएँ"

सामान्य उद्देश्य -> ① बच्चों में मानसिक शक्तियों का विकास करना।
② बच्चों को मानव समाज के विकास से अवगत कराना।
③ बच्चों में वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण विकसित करना।
④ बच्चों में इतिहास विषय के प्रति रुचि जाग्रत कराना।
⑤ बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य -> छात्रों को स्वतन्त्रता आन्दोलन व संबंधित घटनाएँ के बारे में अध्ययन कराना।

शिक्षण सहायक सामग्री -> चार्ट, पोस्टर, चित्र आदि।

आवश्यक सामग्री -> श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

पूर्वज्ञान -> छात्रों को स्वतन्त्रता आन्दोलन व संबंधित घटनाएँ के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना प्रश्न ->

Principal
Maa Reweti College of Education

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
3) बंग-भंग और स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव –	① बंग-भंग के कारण एकता और स्वदेशी की भावना का विकास हुआ। ② स्वदेशी के प्रति भारतीयों का सम्मान बढ़ा। ③ पारम्परिक हस्तकारी उद्योग में नवजीवन का संचार हुआ। ④ शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन आया।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	बंग-भंग आंदोलन के कारण सांस्कृतिक चेतना का विकास हुआ, व स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव से सूरत में फूट हुई।
	⑤ बंग-भंग के कारण सांस्कृतिक चेतना का विकास हुआ। ⑥ स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव से सूरत की फूट हुई।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	

बोधात्मक प्रश्न →

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
① बंगाल विभाजन प्रभावी कब हुआ?	उत्तर 16 अक्टूबर 1905 को
② स्वदेशी आंदोलन पर किन नेताओं की पकड़ मजबूत हो चुकी थी?	उत्तर उग्रराष्ट्रवादी नेताओं की
③ इस आंदोलन में किन समानों के बहिष्कार को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली?	उत्तर विदेशी समान को।
④ राष्ट्रवादी नेताओं के नाम बताइए?	उत्तर लोकमान्य तिलक और महात्मा गाँधी।
⑤ औरतों ने किन वस्तुओं का बहिष्कार किया?	उत्तर विदेशी वस्तुओं का।

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

Date :

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
3) बंग-भंग और स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव –	② बंग-भंग के कारण एकता की भावना का विकास हुआ। ② स्वदेशी के प्रति नागरिकों का सम्मान बढ़ा। ③ पारम्परिक दस्तकारी उद्योग में नवजीवन का संचार हुआ। ④ शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन आया। ⑤ बंग-भंग के कारण सांस्कृतिक चेतना का विकास हुआ। ⑥ स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव से सूरत की फूट हुई।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे। छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	बंग-भंग आंदोलन के कारण सांस्कृतिक चेतना का विकास हुआ। व स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव से सूरत में फूट हुई।

बोधात्मक प्रश्न ->

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
① बंगाल विभाजन प्रभावी कब हुआ?	उ० 16 अक्टूबर 1905 को
② स्वदेशी आंदोलन पर किन नेताओं की पकड़ मजबूत हो चुकी थी?	उ० राष्ट्रवादी नेताओं की
③ इस आंदोलन में किन समानों के बहिष्कार को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली?	उ० विदेशी समान को।
④ राष्ट्रवादी नेताओं के नाम बताइए?	उ० लोकमान्य तिलक और महात्मा गाँधी।
⑤ औरतों ने किन वस्तुओं का बहिष्कार किया?	उ० विदेशी वस्तुओं का।

Principal
... Rawat College of Education

पुनरावलोकन प्रश्न →

① बंगाल विभाजन प्रभावी कब हुआ?
② स्वदेशी आंदोलन पर किन नेताओं की पकड़ मजबूत हो चुकी थी?
③ राष्ट्रवादी नेताओं के नाम बताइए?
④ इस आन्दोलनों में किन सामानों के बहिष्कार को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली?
⑤ औरतों ने किन वस्तुओं का बहिष्कार किया?

कक्षा कार्य →

प्र०① खाली स्थान भरिए -

① विदेशी सामानों का _____ किया गया।
② औरतों ने _____ वस्तुओं का बहिष्कार किया।
③ महात्मा गाँधी _____ राष्ट्रवादी थे।

प्र०② सही जोड़ी बनाइए -

① राष्ट्रवादी नेता	16 नवम्बर 1905
② बंगाल विभाजन	उग्र राष्ट्रवादी
③ लोकमान्य तिलक	महात्मा गाँधी

गृहकार्य → ① खिलाफत और असहयोग आंदोलन का अध्ययन करें
② जलियाँवाला बाग हत्याकांड का सविस्तार अध्ययन करें

पर्यवेक्षक के हस्ता०

विषय शिक्षक के हस्ता०

प्रधानाचार्या के हस्ता०

प्रधानाचार्या
श्री मॉडल स्कूल कटरा
मण्डला (म.प्र.)

टिप्पणी → कार्य सर्वोत्तम रहा

Principal

Developing teaching competences

Institute tries its best to ensure that its students come at par with latest requirements in the field of education .to develop teaching competencies in learner, they are instructed to prepare presentation related to pedagogies. They are asked to prepare lesson on the basis of skills taught and using drama and art techniques. Alsothey are taught to make best out of waste materials to enhance their art skills. These activities develop imagination and a sense of appreciation of art and give rise to new knowledge using drama techniques.

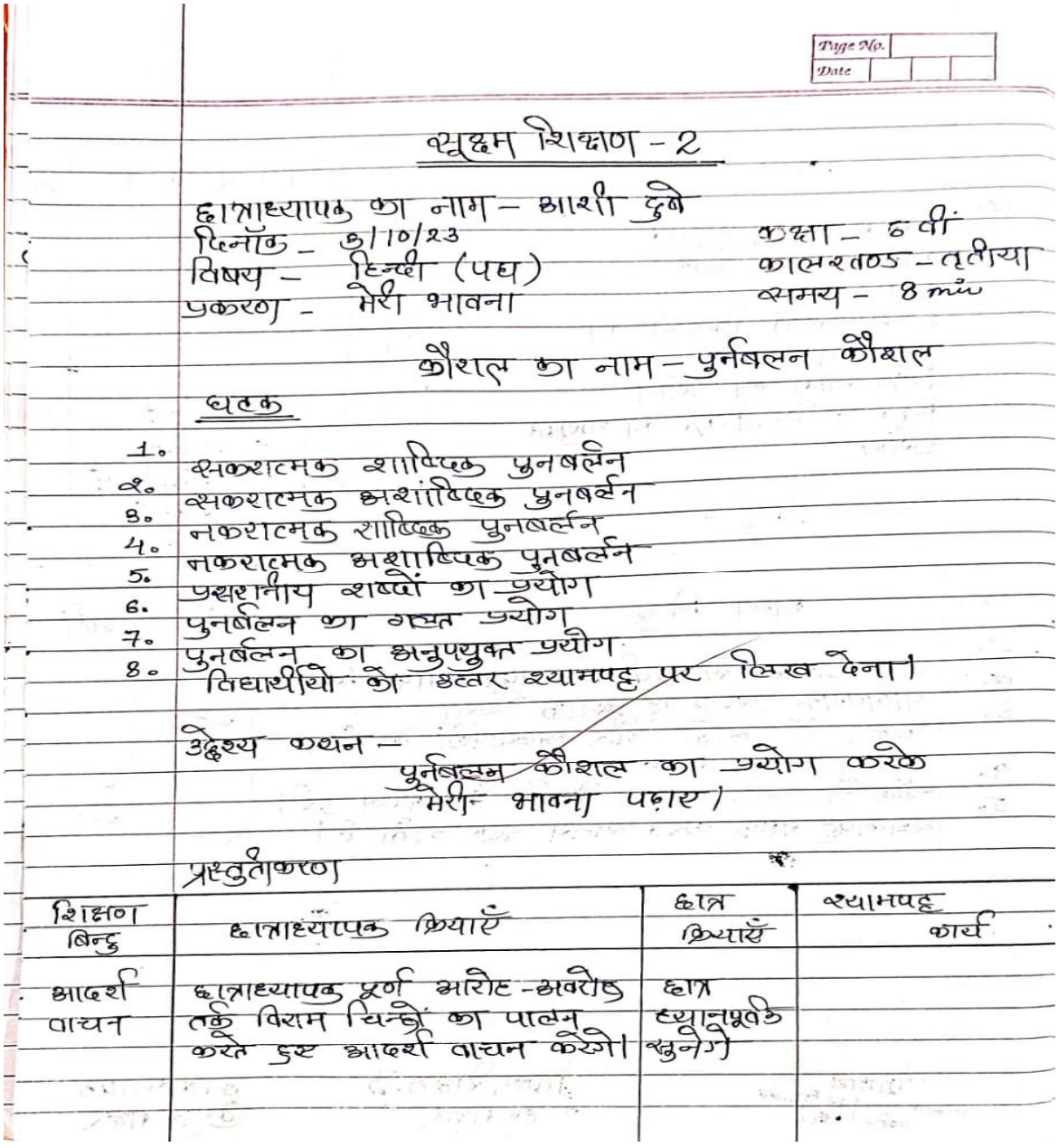

सूक्ष्म शिक्षण - 2

छात्राध्यापक का नाम – आशी दुबे
दिनांक – 5/10/23
विषय – हिन्दी (पद्य)
प्रकरण – मेरी भावना

कक्षा – 6 वीं
कालखण्ड – तृतीया
समय – 8 min

कौशल का नाम – पुनर्बलन कौशल

चरण

1. सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन
2. सकारात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन
3. नकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन
4. नकारात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन
5. प्रशंसनीय शब्दों का प्रयोग
6. पुनर्बलन का सतत प्रयोग
7. पुनर्बलन का अनुपयुक्त प्रयोग
8. विद्यार्थियों को उत्तर श्यामपट्ट पर लिख देना।

उद्देश्य कथन –
पुनर्बलन कौशल का प्रयोग करके मेरी भावना पढ़ाए।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
आदर्श वाचन	छात्राध्यापक पूर्ण अवरोह-अवरोह तथा विराम चिन्हों का पालन करते हुए आदर्श वाचन करेंगे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

Principal
Maa Raweti College of Education
Mandla (M.P.)

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक छात्रों को वाचन करने का आदेश देगा तथा उनकी वाचन सम्बन्धी त्रुटियाँ का अवलोकन करेगी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगी।	
कठिन शब्द निवारण	अहंकार करुणा देशोन्नति ईर्ष्या कटु		• अहंकार • करुणा • देशोन्नति • ईर्ष्या • कटु
प्रसंग –	अहंकार का ______ स्रोत बहे॥ कवि कामना करते हुए कहते हैं कि हे ईश्वर कभी भी मेरे मन में घमण्ड की भावना न आये और न ही मैं किसी भी प्राणी पर क्रोध करूँ। दूसरों की उन्नति और विकास को देखकर मुझे प्रसन्नता हो कभी भी मेरे मन में दूसरों के लिए जलन की भावना न हो। और इस जीवन काल में दूसरों की भलाई में लगा रहूँ। कवि आगे कहते हैं ईश्वर अपने बनाये हुए सभी प्राणियों एवं पेड़-पौधों से मेरा व्यवहार अच्छा हो।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगी।	

Principal
... College of Education

Page No. ____ Date ____

पर्यवेक्षक अनुसूची - 1

क्र.	घटक	1	2	3	4	5	6
1.		1		1		1	
२.	सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन	1			1		
3.	सकारात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन	1			1		
4.	नकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन		1			1	
5.	नकारात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन				1		
6.	प्रशंसनीय शब्दों का प्रयोग		1		1		
7.	पुनर्बलन का गलत प्रयोग				1		
	प्रबलन का अनुपयुक्त उपयोग			1			1

पर्यवेक्षक अवलोकन सूची - 2

क्र.	घटक	1	2	3	4	5	6	7
1.		(1)	1	(1)	1	(1)	1	1
२.	सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन	(1)	1	1	(1)	1	1	
3.	सकारात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन	(1)	1	1	(1)	1	1	
4.	नकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन	1	(1)	1	1	(1)	1	1
5.	नकारात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन	1	1	1	(1)	1	1	1
6.	प्रशंसनीय शब्दों का प्रयोग	1	(1)	1	(1)	1	1	1
7.	पुनर्बलन का गलत प्रयोग	1	1	(1)	(1)	1	(1)	1
	प्रबलन का अनुपयुक्त उपयोग	1	1	1	1	1	1	1

अन्य बिन्दु

क्र.	घटक	~~अच्छा~~ हाँ	~~कुछ~~ नहीं
1.	पाठ प्रारम्भ से पूर्व श्यामपट्ट साफ किया।	✓	

Page No. ____ Date ____

क्र.	अन्य बिन्दु	अ. हाँ	नहीं
२.	पाठोपरान्त श्यामपट्ट साफ किया।	✓	
3.	कक्षा में छात्रों और अध्यापक के बीच अध्यापन व्यवधान बना।		✓
4.	चॉक से लिखते समय घिसने की आवाज हुई।		✓
5.	श्यामपट्ट साफ करते समय धूल उड़ती है।		✓

प्रधानाचार्य
सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय [illegible]

विषय शिक्षक के हस्ताक्षर

छात्राध्यापक के हस्ताक्षर

Principal
Maa Reweti College of Education

Organizing field visits

To educate students about the ongoing conditions of the society .collegeorganize conditions of the society. college organize fields trips ,students are made to visit schools in rural and slum areas, also a visit is made to river areas to make them aware about natural eco system. These visits give them a chance to take a break from monotonous routine schedule and explore their inner abilities and potentials.

Collecting outreach /out of classroom activities

To make the students aware about the school environment the college organize two week pre internship the school exposure program me carried out in local/nearby school such as government private,urban,rural.under this activity teachers encourage activities learning and active participation among students. This activity also developed service mindedness amongst students.

Community engagements

In order to sensitize and educate students about the ongoing conditions of the community. College organize field visit to community service institution like old age home, special child, etc it enhance their knowledge about issues in their community and willingness to become lifelong volunteers within their their community these visits develop empathy and kindness among students.

Activities

1. **Aids Day**
2. **Votting Awerness Program**
3. **Van Mahotsav**

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

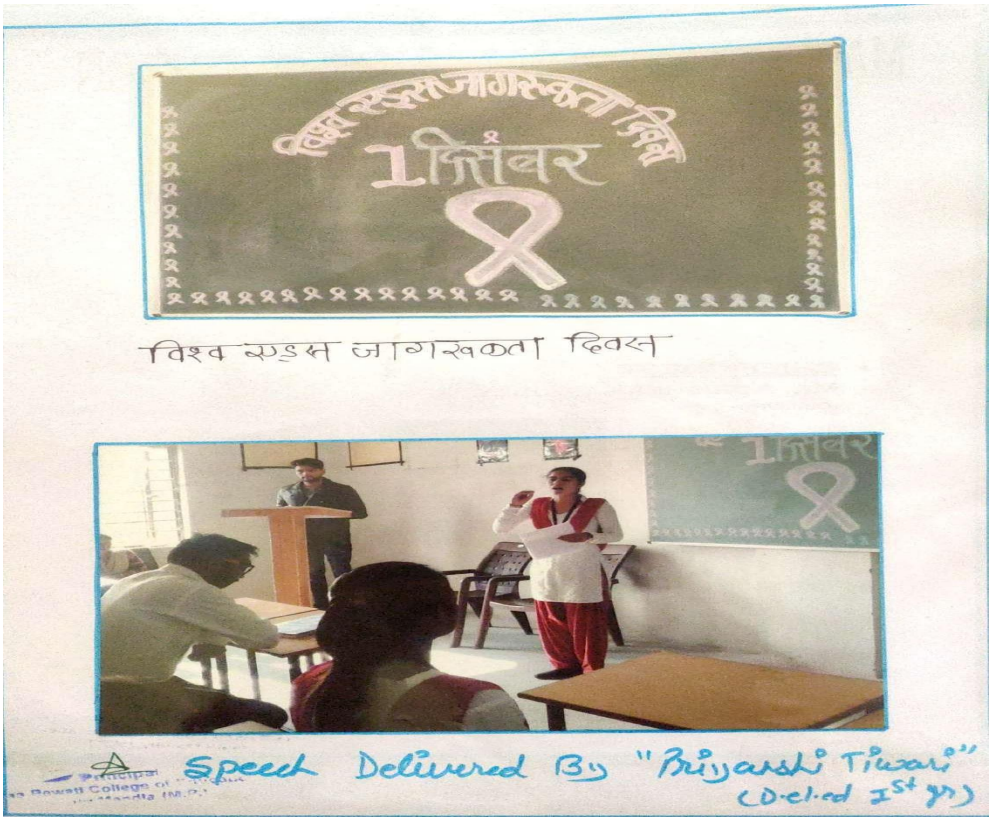

Community Engagement Documentary Evidence

Principal

Teaching aid materials

Principal
Maa Roweti College of Education
Mandla (M.P.)

छात्र-छात्राओं ने रोपे विभिन्न प्रकार के 150 पौधे

पौधरोपण करती शिक्षिकाएं।

पर्यावरण संरक्षण की दी जानकारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मंडला. पर्यावरण संरक्षण के लिए मां रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं, स्टॉफ व अन्य विद्यालयों से आए अतिथियों ने मिलकर लगभग 150 पौधे लगाए। जिसमें नीम, पीपल, आम, जामुन, कैंथा, अमरूद आदि पौधे लगाए गए। पौधों के संरक्षण के लिए ट्री गार्ड लगाकर सभी ने पौधों को संरक्षित करने का संकल्प लिया। इस दौरान प्राचार्य राजेश चौरसिया, अध्यापक उत्कृष्ट विद्यालय राजेश क्षत्री, प्रो टीपी मिश्रा, श्रीकांत श्रीवास्तव, वंदिता मिश्रा, नीलेश कटारे आदि का सहयोग रहा। राजेश चौरसिया ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी। राजेश क्षत्री ने जल संरक्षण व पौधों से होने वाले फायदे के बारे में बताया। नीलेश कटारे ने बच्चों को वन बचाने प्रेरित किया। इस अवसर पर अभिषेक चौबे, आशा श्रीवास्तव, आरसी शुक्ला, संजय अग्रवाल, गोकुल पटेल, आकांक्षा तिवारी, रश्मि साहू, दीक्षा कछवाहा, प्रियंका चौरसिया, सुषमा विलियम, नीतू बैरागी, भारतीय दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

न्यूज पेपर में प्रकाशित कार्यक्रम

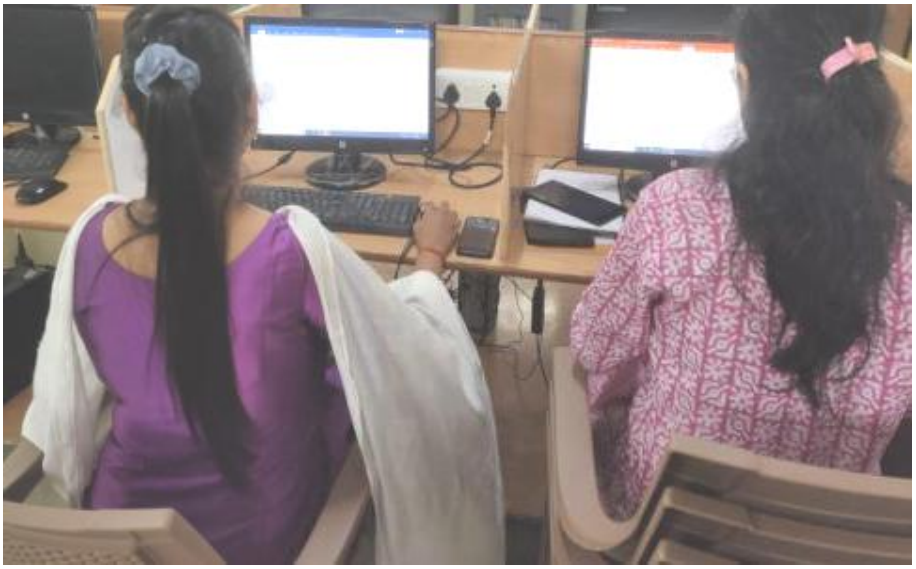

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)